Seventeenth Loksabha

>

Title: Minister of Home Affairs Sh. Amit Shah made a statement regading an avalanche in Chamoli District of Uttarakhand. Thereafter, members stood in silence for a short while as a mark of respect to the memory of the departed.

श्री अमित शाह: महोदय, मैं एक बहुत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर वक्तव्य देने के लिए खड़ा हुआ हूं।

7 तारीख को उत्तराखंड के चमौली में एक दुर्भाग्यपूर्ण हिमस्खलन हुआ और इसके बाद जो घटनाएं हुईं, इससे हम सब विदित हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी ने उसी दिन इसका संज्ञान लेते हुए सूचनाएं भी दीं और राज्य सरकार तथा केंद्र सरकार के सभी अधिकारियों और पदाधिकारियों से बात भी की। उसी क्षण से गृह राज्य मंत्री नित्यानंद जी गृह विभाग के कंट्रोल रूम में सतत इस पर नजर बनाए हुए हैं। कल शाम तक की जो फैक्चुअल पोजीशन है, क्योंकि पोजीशन बदलती रहती है। मैं आपकी अनुमति से कल शाम पांच बजे तक के सारे तथ्यों को एक वक्तव्य के रूप में सदन के सामने रखता हूं।

7 फरवरी, 2021 को सुबह लगभग 10 बजे उत्तराखंड के चमौली जिले में अलकनंदा की एक सहायक नदी ऋषिगंगा नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में एक हिमस्खलन की घटना घटी, जिसके कारण ऋषिगंगा नदी के जलस्तर में अचानक काफी वृद्धि हो गई। ऋषिगंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि के कारण एक बाढ़ आई और इससे 13.2 मेगावाट की कार्यरत छोटी जल विद्युत परियोजना बह गई। इस अचानक आई बाढ़ ने निचले क्षेत्र में तपोवन में धौलीगंगा नदी पर तीन एनटीपीसी की निर्माणाधीन 520 मेगावॉट की जल विद्युत परियोजना को भी नुकसान पहुंचाया है। उत्तराखंड सरकार ने यह बताया है कि बाढ़ से निकले क्षेत्र में अब कोई खतरा नहीं रह गया है और साथ ही साथ जलस्तर में भी कमी आ रही है। केंद्र और राज्य सरकार की सभी संबंधित एजेंसियां स्थिति पर कड़ी निगाह रखे हुए हैं।

7 फरवरी, 2021 के उपग्रह डाटा के अनुसार ऋषिगंगा नदी के जलग्रहण क्षेत्र में समुद्र तल से लगभग 5600 मीटर ऊंचाई पर एक ग्लेशियर के मुहाने पर हिमस्खलन हुआ, जो ग्लेशियर लगभग 14 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र का था। जिसके कारण ऋषिगंगा नदी के निचले क्षेत्र में फ्लैश फ्लड की परिस्थिति बन गई। उत्तराखंड सरकार से प्राप्त सूचनाओं के अनुसार अभी तक 20 लोगों की जानें जा चुकी हैं और छ: लोग घायल हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार 197 व्यक्ति लापता हैं, जिसमें

एनटीपीसी के निर्माणाधीन परियोजना के 139 व्यक्ति, ऋषिगंगा कार्यरत परियोजना के 46 व्यक्ति और 12 ग्रामीण शामिल हैं। राज्य सरकार ने यह सूचना विभिन्न स्रोतों के माध्यम से इकट्ठा करके दी है जिसमें परिवर्तन संभव है।

एनटीपीसी परियोजना के 12 व्यक्तियों को एक टनल के अंदर से सुरक्षित बचा लिया गया है। ऋषिगंगा परियोजना के भी 15 व्यक्तियों को घटना के समय ही सुरक्षित बचा लिया गया है।

एनटीपीसी परियोजना की एक दूसरी टनल में लगभग 25 से 35 लोगों के फंसे होने का अनुमान है। इस टनल में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने हेतु बचाव अभियान युद्ध स्तर पर अहर्निश जारी है। साथ ही साथ लापता व्यक्तियों को ढूंढ़ने का कार्य भी बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। राज्य सरकार ने जान गंवाने वालों के परिजनों के लिए चार लाख रुपये की सहायता की घोषणा की है। घटनास्थल के नजदीक 13 छोटे गांव एक पुल से जुड़े हुए थे। पुल बह जाने के कारण संपर्क कट गया है। इन गांवों के लिए रसद और जरूरी मेडिकल सामान हेलिकॉप्टर द्वारा लगातार पहुंचाया जा रहा है। केन्द्र सरकार द्वारा स्थिति की निगरानी उच्चतम स्तर पर की जा रही है। माननीय प्रधान मंत्री जी स्वयं स्थिति पर गहरी निगाह रखे हुए हैं। गृह मंत्रालय के दोनों कंट्रोल रूम के द्वारा स्थिति पर चौबीस घण्टे नजर रखी जा रही है और राज्य को हर संभव सहायता मुहैया की जा रही है।

विद्युत मंत्रालय के माननीय राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार ने घटनास्थल का दौरा किया और चल रहे राहत एवं बचाव कार्य का भी जायजा लिया है। आईटीबीपी ने अपना कंट्रोल रूम स्थापित किया है और उनके 450 जवान सभी जरूरी साजो-सामान के साथ घटनास्थल पर राहत और बचाव अभियान में लगे हुए हैं। एनडीआरएफ की 5 टीमें घटनास्थल पर पहुंच चुकी हैं और राहत और बचाव अभियान में लगी हुई हैं। आर्मी की 8 टीमें जिसमें एक ईटीएफ, इंजीनियरिंग टास्क फोर्स भी शामिल है, घटनास्थल पर बचाव कार्य कर रही है। 1 मेडिकल कॉलम और 2 एम्बुलेंस भी घटनास्थल पर तैनात है। नेवी की एक गोताखोर टीम भी घटनास्थल पर बचाव कार्य के लिए पहुंच चुकी है। एयरफोर्स के 5 हेलीकॉप्टरों को भी इस कार्य के लिए लगाया गया है। जोशीमठ में भी आर्मी का एक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। घटनास्थल पर विपरीत परिस्थिति में भी घटना के बाद से ही लगातार राहत और बचाव कार्य जारी है। टनल में फंसे हुए लोगों को बाहर निकालने के लिए रात भर के अथक प्रयास के बाद आर्मी द्वारा टनल के मुंह पर पड़े हुए मलबे को साफ कर लिया गया है। हमारे लोग काफी अंदर तक पहुंच चुके हैं।

केन्द्रीय जल आयोग के जो कर्मचारी अलकनंदा और गंगा बेसिन हरिद्वार में कार्यरत हैं, उनको अलर्ट पर रखा गया है। सशस्त्र सीमा बल की एक टीम भी घटनास्थल पर पहुंच चुकी है। डीआरडीओ की एक टीम भी हिमस्खलन की निगरानी कर रही है, जो घटनास्थल पर पहुंच चुकी है। एनटीपीसी के सीएमडी भी घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं। नेशनल क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटी की मीटिंग दिनांक 7 फरवरी को ही 4:30 बजे कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता में हुई, जिसमें सभी संबंधित एजेंसियों को समन्वय के साथ कार्य करने और राज्य प्रशासन को सभी जरूरी सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

केन्द्रीय एजेंसियों के साथ-साथ जिला प्रशासन, पुलिस, राज्य आपदा प्रबंधन विभाग भी राहत और बचाव कार्य में जुटे हैं। एसबीआरएफ की 2 टीमें भी राहत में जुटी हुई हैं। राज्य के स्वास्थ्य विभाग की 7 टीमें और 8 एम्बुलेंस मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी के साथ वहीं पर तैनात हैं। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार ने भी 5 हेलिकॉप्टरों को बचाव और राहत कार्य के लिए तैनात किया हुआ है। घटना के बाद सभी जगहों पर बिजली की बहाली पुन: कर दी गई है। बीआरओ और राज्य पीडब्ल्युडी के द्वारा 5 पूर्णरूप से टूटे हुए पुलों की मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया है।

मैं यहां यह बताना चाहूंगा कि वित्त वर्ष 2020-21 में राज्य आपदा जोखिम प्रबंधन कोष (एसडीआरएमएफ) में उत्तराखण्ड राज्य के लिए लगभग 1,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसमें से केन्द्र का अंश 468 करोड़ रुपये जारी कर दिए गए हैं। मैं सदन को केन्द्र की ओर से आश्वस्त करना चाहता हूं कि राहत और बचाव कार्य के लिए सभी संभव उपाय राज्य सरकार के साथ समन्वय बिठाकर केन्द्र की ओर से किए जा रहे हैं और जो भी आवश्यक कदम उठाना जरूरी है, उसे उठाने की भी केन्द्र सरकार की पूरी तैयारी है।

[Placed in Library, See No. LT 3124/17/21]

माननीय अध्यक्ष: उत्तराखण्ड के चमोली जिले में हुई प्राकृतिक घटना पर ये सभा दुख व्यक्त करती है। मृतक व्यक्तियों की आत्मा की शांति के लिए यह सभा कुछ समय मौन रखेगी।

(The Members then stood in silence for a short while)

ॐ शान्ति: शान्ति: शान्ति: ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सभा पटल पर रखे जाने वाले पत्र ।

…(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी : सर, ये वी. के. सिंह जी कह रहे हैं कि हिन्दुस्तान …(व्यवधान) चीनी सीमा में घुस रहा है, फैल रहा है, क्या यह सही है? आप बता दीजिए ।… (व्यवधान)

16.11 hrs

PAPERS LAID ON THE TABLE